By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Topic- Evolution of Liberalism

Degree-III(Hons.) P-8

Date-29-01-2022

उदारवाद :-

उदारवाद अपने विकास क्रम में पहले पुनर्जागरण और धर्म सुधार आंदोलनों में प्रकट हुआ जिनका उद्देश्य मनुष्य को धार्मिक अंधविश्वासों की बेड़ियों से मुक्त कराना और उसे प्राचीन युग की जिज्ञासु भावना का संचार करना था, यह प्रभुसत्तात्मक राष्ट्र-राज्य के समर्थन में भी प्रकट हुआ। इसका यह कारण था कि आधुनिक राज्य पोप के सर्वशक्तिमान अधिकार के विरुद्ध संभावी चुनौतियों के रूप में उभर कर आया जो निरंकुशतंत्र का साकार रूप बन गया था।

जब राजसत्ता निरंकुशतंत्रवाद के मार्ग पर अग्रसर हुई तो उदारवाद राजसत्ता

के आलोचक के रूप में उभरा। इसका उदाहरण हमें आधुनिक युग के उन सभी जन-आंदोलनों में देखने को मिलता है जो नई राजनीतिक व्यवस्था की स्थापना का प्रयास थे। उदारवाद के विकास के बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि यह औद्योगिकरण के कारण उत्पन्न पुंजीपति वर्ग को आर्थिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा करने की छूट देता है। इसी कारण लॉस्की ने कहा है कि "मध्यकाल के अंत में नवीन आर्थिक समाज के उदय के कारण ही उदारवाद की उत्पत्ति हुई।"

पुनर्जागरण काल में यह बौद्धिकता के विकास के कारण आर्थिक अन्धविश्वासों को समाप्त करने के प्रतिनिधि के रूप में विकसित हुआ। धर्म सुधार आंदोलनों ने व्यक्ति को ही राजनीतिक चिन्तन का केन्द्र बना दिया। चर्च की सत्ता का लोप हो गया। व्यक्ति चर्च की दासता से मुक्त हो गया और चर्च की निरंकुश सत्ता का अंत हो गया। आधुनिक

युग में यह निरंकुश सत्ता के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया या आंदोलन का प्रतिनिधि है जिसने व्यक्ति की अधिकतम स्वतंत्रता का महत्व प्रतिपादित किया है।

लॉस्की का मानना है कि "मध्यकाल के अंत में नवीन आर्थिक समाज के उदय के साथ ही उदारवाद का जन्म हुआ।" आधुनिक युग में उदारवाद के दर्शन इंग्लैण्ड में होते हैं। वाल्टेयर, लॉक, रूसो, कॉण्ट, एडम स्मिथ, मिल, जैफरसन, माण्टेस्क्यू, लॉस्की, बार्कर जैसे चिन्तकों को उदारवाद का महत्वपूर्ण चिन्तक माना जाता है। इन सभी राजनीतिक दार्शनिकों का घोर विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा आर्थिक क्षेत्र में Laissez Faire का समर्थन करना रहा है। इन चिन्तकों ने राज्य को एक आवश्यक बुराई के रूप में देखा है और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर कम-से-कम नियंत्रण की बात पर जोर दिया है। एक सिद्धांत के रूप में उदारवाद इंग्लैण्ड की 1688 की गौरवपूर्ण क्रांति तथा फ्रांस की 1789 की क्रांति का परिणाम माना जाता है। लॉक को उदारवादी उदारवाद का पिता माना जाता है।

CHAPTER CONTINUES...